मोहयाल मित्र

महाशिवरात्री

महाशिवरात्री व्रत फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि अर्थात् फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की चौदह तारीख को किया जाता है। शिव का अर्थ कल्याण करने वाला। चतुर्दशी तिथि के स्वामी भी शिव ही हैं। वैसे तो प्रत्येक मास की कृष्ण चतुर्दशी शिवरात्री के रूप में मनायी जाती है। किन्तु फाल्गुन की चतुर्दशी अपना एक विशेष महत्व रखती है। इस तिथि को भगवान शिव अर्ध रात्रि को ज्योतिर्मय लिंग स्वरूप हो गए थे। इसलिए यह तिथि महाशिव रात्रि के लिए महत्वपूर्ण है।

व्रत विधि कई प्रकार से होती है किन्तु सर्वसाधरण के लिए विधियाँः रात्रि के आरम्भ में तथा मध्यरात्रि में भगवान शिव का पूजन करके व्रत पूर्ण कर सकते हैं। या पूरे दिन व्रत रखकर सांयकाल पूजा करके व्रत पूर्ण किया जा सकता हैं। (भद्रा आदि का ध्यान रखे) भद्रा में व्रत न खोले। इससे भगवान शिव की भक्त पर कृपा सदैव बनी रहती हैं। जीवन में सुख व ऐश्वर्य की प्राप्ति होती हैं।

शिवरात्रि पर्व पर रात्रि जागरण से महापुण्य की प्राप्ति होती हैं। इस दिन साधना एवम् गुरुमंत्र दीक्षा आदि के लिए विशेष सिद्धिदायक मुहुर्त होता हैं। इस दिन दान पुण्य पूजा आदि का विशेष फल प्राप्त होता हैं।

पूजन विधिः शिवरात्रि को प्रदोषकाल (रात्रि का आरम्भ) में या अर्धरात्रि के समय शुद्ध अवस्था में पारद (पारा) या स्फटिक शिवलिंग की स्थापना करके सर्वप्रथम गंगाजल मिले जब मिले जल से स्नान करायें। फिर दूध, दही, घी, शक्कर से क्रमानुसार स्नान कराकर चंदन लगाएं फिर फूल बेल पत्र (बेल पत्र सदैव उल्टा चढ़ाते हैं) आदि अर्पित करके धूप दीप से पूजन करें। निम्न मंत्रों में से किसी एक मंत्र की माला यदि प्रतिदिन जाप करें तो लाभकारी होगा! माला रुद्रास या स्फाटिक की ही लेंः

(1) ऊँ नमः शिवाय
(2) "ऊँ त्रयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योमुक्षीय मामृतात्"।।

नोटः इस दिन रुद्राक्ष धारण करना भी लाभकारी होता है।

लेखकः ***विरेन्द्र छिब्बर*** *ज्योतिष आचार्य (9818094655)*
EA-94 इन्द्रपुरी, नई दिल्ली–110012

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मैं चाहूँ मेरा बचपन

मैं चाहूँ अपना बचपन दोबारा
खेलूं फिर से जैसे चंदा संग तारा
चाहूँ खेल खिलौने, कुछ टूटे कुछ आधे पौने,
भागूं मैं राहों पर, फिर चलना न जानूं,
मानूं बातें माँ की, और कभी न मानूं,
घूमं घर–घर ऐसे जैसे भंवरा आवारा।

मैं चाहूँ अपना बचपन दोबारा
रूठूं मानूं अकड़ दिखाऊं, खेलूं न खेलूं जो मैं चाहुं
कोई फिकर न खाने की हो,
ड्यूटी ये सब माँ ने ली हो,
मैं तो सपने में भी देखूं कल किसको है मारा।

मैं चाहूँ अपना बचपन दोबारा
गीले कपड़े बाल खुले हों, पानी में जैसे बुलबुले हों,
फट से फूले फट से फूटें, झट से मानें झट से रूठें,
बारिश की बूंदों में भीगूं, कभी हंसू मैं खुलकर और कभी मैं चीखूं,
डांट मैं खाऊं फिरसे माँ की, और बचाना पापा का प्यारा।

मैं चाहूं अपना बचपन दोबारा
कोई न चिंता चिंता खेलू, इसकी गुड़िया उसकी ले लूं।
पानी में मेंढक को देखूं, रूक कर मंदिर माथा टेकूं,
बिस्तर से उतरुं घोड़े पर बैठूं, नन्हें हाथों से पापा पर ऐठूं,
सारे नखरे सहकर भी वो पार न पायें हमारा।

मैं चाहूँ अपना बचपन दोबारा
पापा तुम क्यों अब न खेलो, फिर से भींचो गोद में ले लो,
मैं तो वही नन्हीं तितली हूँ, ज्यादा नहीं थोड़ी बदली हूँ,
आओ फिर गले लग जाऊँ, प्यार लुटाऊं सारा।

मैं चाहूँ अपना बचपन दोबारा
खेलूं फिर से जैसे चंदा संग तारा।

पूनम मोहन, *शिवनगर, नई दिल्ली*
मो. 9818526356

पत्र संपादक के नाम

आदरणीय सम्पादक जी,
'जय मोहयाल'

श्री जी.एस. बाली द्वारा लिखित लेख "वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ और उनका निदान" पढ़ कर मन को एक तरह का सुकून मिला। इव लेख को बुजुर्गों एवं नौजवानों को पढ़ना चाहिए एवं श्री बाली जी को साधूवाद देना चाहिए कि किस तरह अपने बुढ़ापे को उन्होंने जवान रखा है तथा दूसरों को भी उत्साहित किया है। मैं खुद एक 67 साल का बूढ़ा–जवान हूँ और आशा करता हूँ कि बाली जी द्वारा सुझाए गए नुस्खे मुझे प्रेरित करते रहेंगे।

अशोक बक्शी
261–ए, पाकेट–सी, मयूर विहार–2, दिल्ली–110091
मो. 9818664346

कविता

सब दुनियां रहे मैं लूँ तेरा नाम
ईक तू ईक तू ईक ही तू
तेरी इक झलक जो पाई है
इक मस्ती है जो छाई है
मुझे अपना कोई होश नहीं
मेरे दिल में गूंजे यही सदा
जिसे लू न मिला उसे कुछ न मिला
ईक तू ईक तू ईक ही तू।
और दुनियां में दुनियांदारीं को झूठी दौलत भी
मिली ताकत भी मिली
कि यारों को दौलत भी मिली ईज्जत भी मिली
शोहरत भी मिली।
जो चीज उन्हीं ने पाई है, पानी पर लिखी लिखाई है
मेरे दिल में गूँजे यही सदा
जिसे तू न मिला उसे कुछ न मिला
इक तू इक तू इक ही तू।
इक झूठी शानो शोकत से
मुझे लेना क्या मुझे मतलब क्या
मेरे दिल में गूंजे यही सदा
जिसे तू न मिला उसे कुछ न मिला
इक तू इक तू इक ही तू।
तू मुहब्बत का एक समुन्द्र है
तुझ में डूब तुझ में मिल जाँऊं
इक नज़र देख ले जो तू मुझ को
रुह से जिस्म तक मैं धुल जाऊँ
इक तू इक तू इक ही तू।
मुझे देख जरा पहचान ज़रा मैं
तेरा हूँ मैं हूँ तेरा।
रंग में तू है रूप में तू है
छांओ में तू है धूप में तू है।
तू ही रातों में सवेरों में तू है
उजालों में तू है अंधेरों में तू है।
तू ही सरदी में तू ही गरमी में
तू ही सख्ती में तू ही नरमी में।
तू ही पानी में है आग में तू है
तू ही गीतों में राग में तू है।
तू हे सुरों में ताल में तू है
सोच में तू है खयाल में तू है।
मौसमें में तू है रितुओं में तू है
मंदिरों में तू है गुलों में तू है
मस्जिदों में है तू अजां में तू है
गीता में तू है कुरान में तू है।
मंदिर ने कहा मस्जिद ने कहा
हर रस्ता है तेरा रस्ता
नहीं कोई मंजिल तेरे सिवा
इक तू इक तू इक ही तू
मेरे दिल में गूंजे यही सदा
जिसे तू न मिला उसे कुछ न मिला
इक तू इक तू.... इक ही तू।

सतपाल मोहन

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 11 दिसंबर 2016 को मोहयाल भवन में प्रधान श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें लगभग 35 मोहयाल भाई बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के उपरांत–

शोकः श्री प्रमोद दत्ता (वाईस प्रेजिडेंट) की बहन श्रीमती स्नेह जी, मध्यप्रदेश के भूतपूर्व गवर्नर भाई महावीर जी, विनय बक्शी (वाईस प्रेजिडेंट) के चाचा जी श्री मदन लाल छिब्बर जी व श्री ओ.पी. मोहन जी (एक्स सीनियर वाईस प्रेजिडेंट जीएमएस) की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन्तला मोहन जी का निधन जो 8 दिसम्बर 2016 को हुआ, की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। उन्होंने सभी को बताया कि श्री बलराम दत्ता जी (प्रचार सेक्रेट्री) परिवार सहित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में शिफ्ट हो गए हैं। प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने आज की मीटिंग में ही उन्हें विदाई पार्टी देनी थी, परंतु किसी कारणवश उन्हें कल शाम ही वहाँ जाना पड़ गया। रमेश दत्ता जी ने श्री बलराम जी के सभा को दिए योगदान की सराहना की व उन्हें याद करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि वो धर्मशाला में ही समाज व अपनी बिरादरी के लिए कार्य करते रहे। साथ ही बलराम जी का सन्देश भी दिया की जिस भाई बहन का कोई रिश्तेदार धर्मशाला में रहता है, वो उनके मोबाइल नं. 9654185136 पर संपर्क करे। ताकि वहाँ पर भी वह सभा गठित कर सके।

श्री रमेश दत्ता जी ने बताया कि जैसे सभा ने पहले घोषणा की थी कि फरीदाबाद की मोहयाल लड़की के विवाह पर सभा की ओर से 5100 रुपए की राशि शगुन के रूप में दी जाएंगी। इस माह सभा ने दो कन्याओं के विवाह पर परिवार को 5100 –5100 रुपए के चेक दिए। श्री मनमोहन छिब्बर जी (फाउंडर जनरल सेक्रेटरी) जो काफी समय के बाद मीटिंग में आए थे, का भी स्वागत किया। उन्होंने प्रधान श्री रमेश दत्ता जी व उनकी कार्यकारिणी की तारीफ की, उन्होंने कहा जो कार्य इस कार्यकारिणी ने किए वो सराहनीय है। श्री राजेंद्र मेहता ने योग की महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने धरर (नाभि) से सम्बंधित बीमारी की जानकारी मोहयाल भाई बहनों को दी।

श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्र की– श्री के.जी. छिब्बर, सेक्टर 19 ने अपनी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती चंद्रकांता छिब्बर जी की पहली बरसी पर 1100 रुपए सभा को भेंट किए। श्री आर.सी. दत्ता जी ने 500 रु. विधवा फंड में भेंट किए। सभी ने श्री रमेश दत्ता जी का भी धन्यवाद किया जिन्होंने श्री बलराम दत्ता जी को विदाई देने की व्यवस्था की थी।

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 01 जनवरी 2017 को मोहयाल भवन में प्रधान श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें लगभग 70 मोहयाल भाई बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के उपरांत– पहली बार आए श्री संदीप बक्शी, श्रीमती मेघना बक्शी व श्रीमती शालिनी बक्शी का सभी ने हार्दिक स्वागत किया। रायज़ादा के.एस. बाली जी ने सभी को नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ ही पिछली माह की रिपोर्ट पेश की। खन्ना से आये, श्री रवि बाली जी का सभी ने स्वागत किया। उन्होंने 18 दिसंबर को खन्ना में आयोजित खन्ना व फरीदाबाद टीमों के बीच क्रिकेट मैच में फरीदाबाद टीम की जीत बधाई दी व सभी खिलाड़ियों की सराहना की। फरीदाबाद सभा ने उपस्थित विनीत बक्शी, देवेंद्र बाली, हनी दत्ता, वैभव मोहन, आशीष बक्शी व अन्य खिलाड़ियों को 500–500 रुपए की नगद राशि व मेडल देकर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर श्री संदीप बक्शी जी की सुपुत्री कशिश बक्शी, जिन्होंने छोटी सी उम्र में ही टाइकांडो में कई मेडल जीते है, को भी 500 रु. व मेडल देकर पुरुस्कृत किया।

श्री राजेंद्र मेहता जी ने प्रत्येक माह की तरह योग की कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी व यह भी बताया कि वह व्यक्तिगत कारणों से अब बैठक में उपस्थित नहीं हो पाएंगे।

इस मौके पर श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्रित की– श्री जगमोहन छिब्बर जी ने अपनी शादी की सालगिरह के उपलक्ष्य में 11000 रुपए, श्री रवि बाली जी ने 500 रुपए व श्री प्रहलाद बाली जी ने 200 रु. सहयोग राशि के रूप में दिए।

श्री नागेंद्र दत्ता जी ने सभी को बताया कि आज के लंच की व्यवस्था प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने अपने सुपौत्र उज्जवल दत्ता सुपुत्र श्री ध्रुव दत्ता जी व श्रीमती किम्मी दत्ता के जन्मदिन के उपलक्ष्य में की है। सभी ने उज्जवल दत्ता को आशीर्वाद दिया व उनके दीर्घायु की कामना की, इस अवसर पर श्रीमती बाला बाली जी ने गीत व भजन से उज्जवल को जन्मदिन की बधाई दी, व सभी को नववर्ष की बधाई दी। श्री इन्द्र बाली जी ने सभी को नए वर्ष की बधाई दी व सभी प्रकार की बीमारियों के उपचार की जानकारी दी। प्रधान जी ने बताया कि 12 मार्च 2017 को जीएमएस की स्थापना की 125वीं जयंती तालकटोरा स्टेडियम में मनाई जा रही हैं, उन्होंने सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि मोहयाल सभा फरीदाबाद इस भव्य समारोह में सम्मिलित होगी। फरीदाबाद से बस जाएगी। जो मोहयाल बस द्वारा जाना चाहते हैं वे श्री रमेश दत्ता (फोनः 9999078425) से तुरंत संपर्क करें।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अंत में प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने सभी उपस्थितजनों को नववर्ष की मुबारक दी व बताया कि अगले माह की बैठक 5 फरवरी को 11:30 बजे मोहयाल भवन में होगी, उन्होंने सभी भाई बहनों का धन्यवाद किया व आशा जताई कि आगामी बैठक में भी सभी इसी प्रकार उपस्थित होते रहेंगे।

रमेश दत्ता, *प्रधान* ***रायज़ादा के.एस. बाली,*** *महासचिव*
मो.: 9999078425 *मो. 9899068573*

उत्तम नगर-नई दिल्ली

मोहयाल सभा उत्तम नगर की मासिक बैठक संजय बक्शी जी के निवास स्थान पर 15.01.2017 रविवार को सम्पन्न हुई, जिसमें सबसे पहले सभा का प्रारम्भ गायत्री मंत्र का उच्चारण और मोहयाल प्रार्थना के साथ हुआ।

इस सभा में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई जिसमें सबसे महत्वपूर्ण विषय मोहयाल सभा की चुनाव प्रक्रिया का रहा जिसमें सभी ने अपने सुझाव दिए। सभी के सुझावों पर अच्छी तरह से मंथन किया गया और सभी के सुझावों को सुनने के बाद मोहयाल सभा के अध्यक्ष श्री एस.पी. वैद द्वारा यह निर्णय लिया गया की चुनाव अप्रैल या मई माह में करा दिया जाए और उसकी तैयारी और चुनाव प्रक्रिया के नियम और कार्यवाही की जिम्मेदारी श्री विनीत बक्शी और संजय बक्शी को दी गई। सर्वसम्मति और जलान के साथ सभा संपन्न हुई।

संजय बक्शी
मो. 9811008335, 9911008335

आगरा

मोहयाल सभा आगरा की मासिक मीटिंग 01.01.2017 को श्रीमती सावित्री दत्ता जी धर्मपत्नी स्व. श्री एम.बी. दत्ता जी

माताजी श्री कामरान दत्ता के संयोजक महोदय के निवास स्थान 1–डिफेंस एस्टेट, आगरा पर संपन्न हुई, जिसमें घोर सर्दी व कोहरे के होते हुए भी लगभग 20 भाई–बहनों ने भाग लिया तथा बेबी सारा दत्ता (पीहू दत्ता) ने भी भाग लिया तथा आने वाले भाई बहनों ने दत्ता परिवार की तरफ से सभी मोहयाल भाई–बहिनों को नववर्ष 2017 की शुभकामनाएं व माता जी ने सभी परिवारों को आशीर्वाद दिया तथा मोहयाल सभा आगरा को आशीर्वाद सहित 500 रु. का दान सभा को दिया। सभी ने आपस में एक दूसरे को नववर्ष 2017 के भविष्य की मंगलकामनाएं दी।

सभा के संयोजक महोदय ने पंजाब खन्ना में हुए क्रिकेट मैच, मोहयाल भवनों की गतिविधियों से अवगत कराया तथा भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों से अवगत कराया। मोहयाल मित्र के नवीनीकरण हेतु सभी को अवगत करवाया। इससे पूर्व माह अक्टुबर से दिसंबर तक मोहयाल भाई–बहनों के निधन पर सभी की ओर से श्रद्धांजलि व शोक प्रकट किया। भाई महावीर प्रसाद जी, श्रीमती नीलम दत्ता, श्री एम.एल. छिब्बर जी आदि के निधन पर दो मिनट का मौन रखा।

श्री अमित दत्ता, मास्टर अथर्व दत्ता, अमित बक्शी, श्री सुभाष वैद, श्री अरूण बाली, दीपक मेहता, अंजान दत्ता, बैभव छिब्बर, संजीव दत्ता एवं सारा दत्ता व अमिता बाली आदि के जन्मदिनों पर मुबारकबाद एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी तथा श्री निर्वान दत्ता व श्रीमती गीता दत्ता के पुत्र अंकित दत्ता की हाल ही में हुई शादी की बहुत–बहुत मुबारकबाद दी। सचिव महोदय ने आए हुए सभी मोहयाल भाई–बहनों को धन्यवाद दिया तथा दत्ता परिवार को आवभगत हेतु धन्यवाद दिया।

सभा के अंत में गायत्री मंत्र, शांतिपाठ व मोहयाल प्रार्थना जय मोहयाल के नारों के साथ सभा का समापन हुआ।

ए.पी. दत्ता, *सचिव*

जगाधरी वर्कशाप

सभा की मासिक बैठक 01 जनवरी 2017 को सतपाल बाली जी के निवास स्थान 24 शिवपुरी आई.टी.आई. में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ताजी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 30 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के बाद सभी सदस्यों ने एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दी एवं मोहयाल समाज के सुखद भविष्य की कामना की। सभा ने साल 2017 की सदस्यता फीस एवं मोहयाल मित्र सदस्यता एकत्रित की तथा घर–घर जा कर नये सदस्य बनाने पर विचार किया। सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी एवं सहायक सचिव राजेन्द्र बाली जी ने मोहयाल सभा करनाल द्वारा आयोजित मोहयाल मेले में भाग लिया एवं सभा को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

शोक समाचारः सभा ने शाहबाद मारकन्डा निवासी श्री कुलबीर सिंह दत्ता एवं श्री दीपक जी (चन्दोसी निवासी) जिनका स्वर्गवास दिसंबर माह में हो गया था सभा ने दो मिनट मौन रख कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्री दीपक जी सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री वेद प्रकाश बाली जी के दामाद थे।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सभा के वरिष्ठ सदस्यों श्री नंदकिशोर बाली, श्री सुरेन्द्र मेहता, श्री अनिल बाली, श्रीमती शोभा दत्ता, श्रीमती सविता मेहता, श्रीमती प्रसन्नता दत्ता व श्रीमती परवीन दत्ता का विचार था कि मोहयाल सभा की मीटिंग घरों में हो तो परिवारों में बहुओं बेटियों और बच्चों को भी मोहयाल समाज व मोहयाली एकता का पता चलता है।

सभा के आयोजक ने सभी सदस्यों को जलपान करवाया। इस अवसर पर बाली जी ने 251 रु. जीएमएस को तथा 251 रुपए जगाधरी वर्कशाप सभा को भेंट स्वरूप दिए। सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी ने सतपाल बाली जी का धन्यवाद किया, सभा का समापन गायत्री मंत्र से हुआ।

फरवरी माह की सभा दिनांक 05.02.2017 को सुबह 10:30 बजे श्री नंदकिशोर बाली जी के निवास स्थान 43 राम नगर नजदीक बाल भवन स्कूल यमुनानगर में होगी।

एस.पी. बाली, *सचिव* ***सुरेन्द्र मेहता छिब्बर,*** *महासचिव*
मो.: 9729530102 *मो. 9355310880*

अंबाला कैंट

दिनांक 8 जनवरी 2017 सायं 4 बजे 2 शिवप्रताप नगर निवास स्थान श्री नरेश वैद जी, उप–सभा अध्यक्ष हैं कि मौजूदगी में सभा का आरंभ हुआ। इस बैठक में 14 मोहयाल भाई–बहनों एवं दस बच्चों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद नववर्ष की बधाई दी गई। साथ ही श्री नरेश वैद जी के उनके जन्मदिन 26.01.2017 पर सबने बधाई दी तथा दीर्घायु की कामना की। वैद परिवार ने इस शुभअवसर पर 250 रु. जीएमएस व लोकल सभा प्रत्येक को भेंट किए।

महासचिव ने पिछले महिने की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। जी.एम.एस द्वारा भेजे गए मोहयाल गणना फार्म भरने के लिए दिए गए तथा शीघ्र वापिस करने का अनुरोध किया। सभा सदस्यों को बताया गया कि मोहयाल मित्र शुल्क चैक जीएमएस के पास है जोकि किसी कारणवश डिस्ओनर हो गया है अतः निर्णय लिया गया कि जीएमएस के केनरा बैंक एकाउंट में कैस जमा करा दी जाए, ताकि सबको अगले महिने मोहयाल मित्र की कापी मिल सके। यह काम एचएफओ एम.एल. दत्ता जी ने 11.01.2017 को कर दिया तथा जीएमएस को बता दिया गया।

तंबोलाः तंबोला गेम का भरपूर मज़ा उठाया गया विशेषतः बच्चों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया, फुल हाऊस, व पार्ट हाऊस के लिए श्री धर्मेन्द्र वैद व सरिता वैद ने बाजी मारी। शेष बच्चों ने भी जीत कर खुशी मनाई।

दान राशिः श्री नरेश वैद 500 रु., श्री राकेश वैद 200 रु., एम. एल. दत्ता 300 रु., श्री धर्मेन्द्र वैद 500 रु., श्री संजय छिब्बर (एम दत्ता द्वारा) 500 रुपए, श्री अमृत प्रकाश छिब्बर तथा श्रीमती अनीता दत्ता ने लोकल सभा का वार्षिक चंदा 200 रुपए प्रत्येक ने दिया। सभा सदस्यों ने वैद परिवार का बढ़िया चाय–नाश्ते के लिए धन्यवाद किया तथा जय मोहयाल के नारों के साथ सभा समाप्ति हुई।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मो.: 9416464488 *मो. 9896102843*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 1.01.2017 को सभा के प्रधान हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाली प्रार्थना के बाद प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्त जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की। सभी सदस्यों ने एक दूसरे को नववर्ष 2017 की बधाई दी। मोहयाल सभा बराड़ा की तरफ से सभी मोहयाल भाइयों व बहनों को नववर्ष, लोहड़ी और मकर सक्रांति की बधाई हो।

शोक समाचारः श्रीमती शीलावंती छिब्बर निवासी शेरपुर सुलखनी, श्री अशोक दत्ता निवासी शेरपुर सुलखनी व धर्मवीर छिब्बर निवासी शेरपुर सुलखनी के निधन पर इन दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की गई।

अंत में सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए हरदीप सिंह वैद परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सेक्रेटरी*

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की मासिक बैठक सीनियर उप–प्रधान दिनेश दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन न्यू बैंक कॉलोनी ऊना रोड में हुई। इस अवसर पर दिनेश दत्ता जी ने सभी को बधाई दी तथा परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की कि नया वर्ष सभी के लिए मंगलमय हो और सभी मोहयाल भाई–बहनों को बहुत सारी खुशियां प्राप्त हों।

श्री विजयंत बाली जी ने बताया कि जी.एम.एस. की स्थापना दिवस 125वीं जयंती 12 मार्च को तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में होगी। श्री शशपिन्द्र बाली जी ने दो बच्चों को सहायता दिलवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। इस अवसर पर मनोज दत्ता, अरविंद मैहता, ओंकार बाली, विजयंत बाली, दिनेश दत्ता, वरिन्द्र दत्त वैद, श्री कुलदीप दत्ता, पी.पी. मोहन, पवन मैहता और शशपिन्द्र बाली उपस्थित थे।

मनोज दत्ता व विजयंत बाली

प्रेमनगर–देहरादून

प्रेमनगर देहरादून मोहयाल सभा की मासिक बैठक 27 नवंबर 2016, को प्रो. कमल रत्न वैद निवास स्थान 11/1 एकता एवेन्यू राजपुर रोड, देहरादून में प्रधान श्री डी.एन. दत्ता जी

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 15 मोहयाल भाई–बहन उपस्थित थे। मोहयाल प्रार्थना के साथ सभा की कार्यवाही आरंभ हुई। श्री राजेश बाली सचिव ने पिछले माह की रिपोर्ट सभी के समक्ष प्रस्तुत की। श्री सोमेश छिब्बर जो कि देहरादून सभा के वरिष्ठ सदस्य है उनका सभा के भाग लेने पर स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि प्रेमनगर सभा की बैठक में भाग लेने पर बहुत खुशी हो रही है।

श्री सोमेश छिब्बर जी ने सभा में बताया कि देहरादून मोहयाल सभा 18 दिसंबर 2016 को मोहयाल मिलन का आयोजन करने जा रही है। उन्होंने प्रेमनगर सभा के सभी सदस्यों को परिवार सहित भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

प्रेमनगर सभा के वरिष्ठ उपप्रधान श्री मनमोहन बाली जी ने बताया कि उनके भतीजे श्री राकेश बाली जी की सुपुत्री सुश्री ऋषिका बाली मिस उत्तराखंड फिनाले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी सदस्यों ने श्री मनमोहन बाली एवं राकेश बाली जी को बधाई दी। श्री डी.एन. दत्ता, प्रधान जी ने बताया कि उनकी पौत्री सुश्री सानवी दत्ता सुपुत्री श्रीमती गगनप्रीत दत्ता एवं ले.कर्नल देवेन दत्ता ने बीकानेर में आयोजित रोलर स्कैटिंग प्रतिस्पर्धा में अपनी आयु वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी सदस्यों ने उनको बधाई दी।

श्रीमती नूतन वशिष्ठ ने बताया कि उन्होंने वरिष्ठ नागरिक पर एक लेख लिखा था और उन्हें इस लेख के लिए द्वितीय स्थान पर आने पर तीन हजार रुपए का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस पर सभी सदस्यों ने श्रीमती नूतन वशिष्ठ को बधाई दी। श्री कमल रत्न वैद जी ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष में सभा को 1100 रुपए प्रदान किए। उनके जन्मदिन के अवसर पर केक भी काटा गया। सभी सदस्यों ने श्री वैद जी को जन्मदिन की बधाई दी।

अन्त में प्रधान श्री डी.एन. दत्ता जी ने श्रीमती एवं श्री कमल रत्न वैद को स्वादिष्ट जलपान एवं दोपहर के भोजन के लिए धन्यवाद दिया। प्रधान जी ने श्री रमेश दत्ता जी को सदस्यों के आगमन के लिए बस उपलब्ध किए जाने पर धन्यवाद दिया।

राजेश बाली, *सचिव मो. 9758135583*

सिरसा

आज दिनांक 6.01.2017 को मोहयाल सभा सिरसा (हरियाणा) की मासिक बैठक प्रधान मदनलाल दत्ता जी के निवास स्थान पर बुलाई गई। सभा मोहयाल प्रार्थना के बाद आरम्भ हुई। अधिक धुंध व ठंड के कारण सदस्यों की कमी महसूस की गई। सभा में मोहयाल सेंसस के बारे में बता कर प्रधान ने फार्म भरने की शुरुआत की तथा कुछ फार्म मीटिंग में ही भरे गए। बाकी सभी के घर जाकर सेंसस करके समय पर फार्म जीएमएस भेज दिए जाएँगे, ऐसा प्रधान जी ने कहा। सभा में रेनेवल का फार्म तथा 200 रुपए का चेक भी भरा गया। मोहयाल सभा सिरसा की तरफ से जीएमएस के सभी सदस्यों तथा सभी लोकल सभाओं, सभी मोहयाल भाई बहनों को 2017 की बहुत–बहुत शुभकामनाएँ।

सभी भाई बहनों ने प्रधान जी का चाय–पान का भी धन्यवाद किया।

मदनलाल दत्ता, *प्रधान* ***रामोशक कुमार छिब्बर,*** *सचिव*
मो.: 08570944404 *मो. 08607410014*

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक मीटिंग श्रीमती वीना वैद जी के निवास स्थान पर हुई, गायत्री मंत्र के साथ कार्यवाही शुरू हुई, सभी बहनों ने बैठक में भाग लिया। सबने एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दी और मंगलकामना की कि स्त्री सभा ऐसे ही मोहयाल बिरादरी के लिए कार्य करती रहे। सभी सदस्यों ने जीएमएस प्रधान रायज़ादा बी.डी. बाली जी और उनकी पूरी टीम तथा ऑफिस स्टाफ को नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

बैठक में श्री बी.डी. बाली जी द्वारा भेजे गए Mohyal Population Census Form को पढ़कर सुनाया गया और उनसे ये फार्म भी भरवाए गए। श्री अशोक लव जी को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड मिलने पर सभी बहनों ने उन्हें मुबारक दी। भगवान उनकी दीर्घायु करें वो ऐसे ही मोहयाल बिरादरी के लिए कार्य करते रहें।

श्रीमती बाला मेहता, श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती वीना वैद, श्रीमती प्रेम दत्ता, श्रीमती विजय लक्ष्मी और श्रीमती भगीरथी बाली ने अपने विचार रखे। शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*
फोनः 01732 226799

एसके वैद सोलन मोहयाल सभा के अध्यक्ष बने सोलन में मिलन समारोह आयोजित

मोहयाल सभा सोलन का वार्षिक मिलन सम्मेलन हुआ। इस दौरान मोहयाल बिरादरी के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम पेश किए। कार्यक्रम में सभा के सचिव बीएन बाली ने सभा की बीते दो वर्षों की गतिविधियों का ब्यौरा दिया। कोषाध्यक्ष जेआर बक्शी ने वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत की।

युवा सदस्य अनुभव बाली जो इंडसइंड बैंक में रिलेशन ऑफिसर हैं, उन्होंने बैंक की ओर से लांच की गई योजनाओं से अवगत करवाया गया। इसके साथ ही वर्ष 2017–18 के लिए मोहयाल सभा सोलन के द्विवार्षिक चुनाव भी हुए। इसमें एसके वैद को अध्यक्ष बनाया गया, जबकि अरुण बाली को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुरेंद्रा बाली को उपाध्यक्ष, बीएन बाली को

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सचिव, विकास दत्ता को संयुक्त सचिव, जेआर बक्शी को कोषाध्यक्ष, कुलदीप बाली व के.डी. बाली को लेखाकार व चंद्रमोहनी वैद पार्वती बाली, वीरेंद्र बाली तथा अनुभव बाली को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। इसके अतिरिक्त एम.पी. मोहन को चेयरमैन, एम.आर. बाली को संरक्षक तथा पी.के. दत्त को मुख्य सलाहकार मनोनीत किया गया। अंत में सभा द्वारा मोहल्ले के गरीब परिवारों को गर्म वस्त्र और राशन भी बांटा गया।

आभार

पुज्य मम्मी श्रीमती वेद कुमारी छिब्बर के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने आए सभी सगे–सम्बंधियों, शुभचिंतकों और मोहयाल संस्थाओं के हम हृदय से आभारी हैं। दुःख के इस क्षण में आपकी संवेदनाएँ हमारे लिए सबल है।

आप सबके प्रति आभारी– श्री प्रमोद दत्ता एवं परिवार, श्री रजिन्दर छिब्बर एवं परिवार, श्री प्रमोद शर्मा एवं परिवार और श्री रवीष मिश्रा एवं परिवार।

माँ याद तू आती मुझे

हृदय की, गहराइयों में
यादें हिलोरे लेती है
आंखों में उस ममतामयी की
छवि उभरती रहती है।
माँ मेरी करुणामयी आज भी तू स्वप्न में
आकर के सहला जाती मुझे नींद से हूँ चूर।
फिर भी, नींद आंखों में नहीं
ऐसा लगता है मुझे माँ
होले से ज्यों, दे रही हो थपकी
माँ तेरी आंचल की छाया में गहन है शांति,
ऐसा लगता है मुझे माँ तुम करीब हो मेरे
बहुत करीब, यहीं कहीं।

पूज्य मम्मी जी आप हमेशा हम सबको यह कहा करती थी कि मैं चुप करके अब इस खिली हुई बगिया से चिड़िया की तरह अमृत–बेला में फुर्र करके चलि जाँऊ। और माँ वही हुआ जो आप चाहती थी। 23 दिसंबर 2016 को सुबह 4:30 बजे माँ तूने सदा के लिए हम सबको, अमृत–बेला में, अलविदा कह दिया।

माँ बयां कर सकती नहीं, गम तेरे जाने का
तेरी यादें तेरी बातें ही, अब है सहारा जीने का।
माँ कितना खाली खाली मन है,
कितना वेबस हुआ मनन है
शहर बेगाना सा लगता है
न अपनापन ना आत्मीयता
हसरते न चाहकर भी
दिल में पलती रहती है, पूरी हो या न हो।
चाहता है दिल फिर भी,
पालते रहना उन्हें दिल में।

माँ परिवार के सब सदस्यों ने आपको जो आदर सत्कार एवं सम्मान दिया वह सराहनीय है जो मैंने अपने जीवन काल में बहुत कम ही देखा है। मैं सब प्रिय बहनों और भाईयों से यही विन्रम प्रार्थना करूंगी कि घर के सभी सदस्यों को बहुत आदर और प्यार देना चाहिए, घर के बुर्जग हमारी बहुत प्रिय अमानत होते हैं।

माँ आप हमेशा बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ के प्रति सजग रहती थी आप यही कहती थी कि बेटियां माँ की झलक होती है पिता का सम्मान होती, देश का अभिमान होती है, बेटियाँ देश की आन–बान होती है।

माँ आपके इस स्वप्न को पूरा करते हुए में मोहयाल सभा दिल्ली को मात्र रुपए 5000 की राशि बेटी पढ़ाओ के नाम से उस संस्था को भेंट करती हूँ।

माँ आपकी जिंदगी हम सबके लिए आर्शीवाद थी आपकी यादें खजाना। माँ–बाप जिन्हें हम प्यार करते है They don't ever leave us. They become a part of us, un-seen, un-heard, but always there. माँ You will always live deep in our hearts your love and blessings are always with us and they are constant source of inspiration for us.

माँ बस अब मेरे जीवन का सहारा आप की ही सुनाई हुई निम्न पंक्तियाँ ही है।

खुशबू हूँ में फूल नहीं जो मुरझाए
जब–जब मौसम लहराएगा
मैं आ जाऊंगी, शाम का जब पहला सुन्दर
दीप जलाने आओगी
मैं ममता का आंचल बन कर
लोरी गाऊंगी, में आ जाऊंगी
जब भी मेरी याद सताए फूल खिलाती रहना
मेरे गीत सहारा देंगे, उनको गाती रहना
मैं अम्बर का तारा बन कर रहा दिखाऊंगी
में आ जाऊंगी।

मोना शर्मा छिब्बर *(शोकाकुल बेटी)*
डी–3/3147, वसंत कुंज, नई दिल्ली–110070
मो. 991109984

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अंतिम यात्रा

श्रीमती कमला लौ का निधन

श्रीमती कमला लौ का निधन 14 दिसंबर 2016 को हो गया। वे स्वर्गीय श्री आसकरण वैद और श्रीमती सरस्वती देवी वैद की सुपुत्री और श्री केदारनाथ लौ की पत्नी थीं। उनका निधन उनके निवास–696, भाई परमानंद कॉलोनी, दिल्ली–110009 में हुआ।

श्रीमती कमला लौ का जीवन संघर्षमय रहा। उनका ईश्वर पर अटूट विश्वास था। उन्हें माता–पिता से धार्मिक संस्कार मिले थे। उनकी रुचि सामाजिक कार्यों में थी। वे मधुर गायिका थीं। पारिवारिक विवाह आदि समारोहों में वे रौनक लगा देती थीं। वे मधुर स्वर में भजन गाती थीं। वे सामाजिक और धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़कर भाग लेती थीं।

श्रीमती कमला लौ अपने पीछे तीन पुत्र–पुत्रवधुएँ, दो पुत्रियाँ–दामाद और पोते–पोतियाँ, दोहते–दोहतियाँ छोड़ गई हैं। उनके पुत्र–पुत्रवधुएँ– उमाकांत लौ और माधुरी लौ, शशिकांत लौ, महेशकांत लौ और आरती लौ, पुत्रियाँ और दामाद–अनिल वैद और सुरिंदर वैद, सरिता शर्मा और नवीन शर्मा (कनाडा) हैं।

उनकी रस्म–क्रिया गौरीशंकर मंदिर, भाई परमानंद कॉलोनी में हुई। उन्होंने और उनके स्वर्गीय पति श्री केदारनाथ लौ ने इस मंदिर के निर्माण में सक्रिय सहयोग किया था। सगे–संबंधियों, मोहयाल बिरादरी के सदस्यों और क्षेत्र के निवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उनके निधन पर उनके पुत्रों उमाकांत लौ, शशिकांत लौ और महेशकांत लौ ने जनरल मोहयाल सभा को पाँच सौ रुपए भेंट किए। ईश्वर दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें!

ऊँ शांति, शांति, शांति!!

उमाकांत लौ, *696–भाई परमानंद कॉलोनी, दिल्ली–110009*

श्रीमती निर्मला छिब्बर का स्वर्गवास

हमारी पूज्यनीय माता जी, श्रीमती निर्मला छिब्बर पुत्री स्व. हुकुमचन्द पत्नी स्वर्गीय भाई अमरनाथ छिब्बर, मौहल्ला–अर्जुनपुरवा, लखीमपुर खीरी (उ.प्र.) का स्वर्गवास दिनांक 16.09.2016 को हो गया। वह 80 वर्ष की थी। माता जी दयामयी, करूणामयी एवं धार्मिक प्रवृत्ति की सीधी–साधी महिला थी। वह हमेशा जन्माष्टमी के पर्व पर निर्जला व्रत रखती थी, उन्होंने हमेशा अपने पाँचों पुत्रों एवं एक सुपुत्री शारदा को पारिवारिक प्यार की डोर से सदैव बाँध रखा। वह अथक परिश्रम व कर्त्तव्यपरायणता की धनी थी। वह शिक्षा पर विशेष बल देती थी।

माता जी की रस्म–पगड़ी 26.09.2016 को हुई, रस्म पगड़ी में काफी संख्या में रिश्तेदारों एवं लोगों ने अपनी हार्दिक–संवेदना प्रकट की।

यह बात शास्वत सत्य है कि माँ की सूरत से अलग भगवान की सूरत नहीं हो सकती। माताजी की बातें एवं यादें हमेशा–हमेशा जीवंत रहेगी। हमारा पूरा परिवार ईश्वर से उनकी महान आत्मा को शांति प्रदान की प्रार्थना करता है।

माता जी मधुर–स्मृतियों में, परिवार की तरफ से 11000 रु. हरिद्वार लंगर फण्ड (लंगर तिथि 16 सितंबर) एवम् 10,000 रुपए शिक्षा–निधि में दान दे रहे हैं।

परिवार की तरफ से माताजी को शत् शत् बार व असंख्य बार नमन्।

पुत्रगण– भाई वि ासागर छिब्बर, भाई प्रेमसागर छिब्बर, भाई विनोद कुमार छिब्बर, भाई वेदरत्न छिब्बर, और भाई शिवसागर छिब्बर, अर्जुनपुरवा, लखीमपुर खीरी (उ.प्र.)
मो. 9451809356

श्रीमती अनु बख्शी का निधन

मोहयाल मित्र के दिसंबर माह के अंक में अनु बख्शी पुत्री स्व. श्री कुलभूषण लाल दत्ता पत्नी स्वर्गीय श्री ज्योति बख्शी, बस्ती मिठ्ठू के निधन का समाचार प्रकाशित हुआ उस अंक में अनु बख्शी का फोटो प्रकाशित नहीं हुआ था। 28 अक्तूबर 2016 को रस्म–क्रिया मंन्दिर बावा लाल दयाल दिलबाग नगर में हुई थी, उसमें सगे–संबन्धी और बड़ी गिनती में मोहयाल जनों ने पहुँच कर दिवंगत आत्मा को शांति मिले परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति मिले प्रार्थना की। बख्शी परिवार की ओर से 200 रुपए जी.एम.एस. को और 200 रुपए मोहयाल सभा जलंधर को भेंट किए।

अशोक कुमार दत्ता, *सचिव, एम.एस. जलंधर*
मो. 9779890717

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री सतीश कुमार बाली का निधन

हमारे पूज्यनीय श्री सतीश कुमार बाली जी का आकस्मिक निधन 24 दिसंबर 2016 को हो गया था। उनकी याद में उनकी पत्नी श्रीमती प्रवेश बाली व पुत्र निखिल बाली द्वारा मोहयाल आश्रम हरिद्वार को ग्यारह हज़ार रुपए लंगर फंड में भेंट किए। लंगर तिथिः 24 दिसंबर।

तुम न जाने किस जहान में खो गए
हम भरी दुनिया में तन्हा हो गए
क्या खता हुई हमसे जो रोता हमको छोड़ गए
ऐसी भी क्या जल्दी थी जो हमसे रिश्ते–नाते तोड़ गए।
जानू के थे जान तुम बच्चों के थे प्यारे
कसमें थीं जन्मों की अब छोड़ा किसके सहारे
सतीश था नाम तुम्हारा, सब बुलाते प्यारे से 'बाली'
तुम बिन हम सबको लगता, यह घर–दुनिया खाली।

*शोकाकुल–**श्रीमती प्रवेश बाली,** बाली, वैद एवं दत्ता परिवार, प्लाट नं. 22, रेशमघर, जम्मू, मो. 9419908829*

श्रीमती संतोष बाली की दूसरी पुण्यतिथि

आज 8 फरवरी दीदी आपको हम सबसे बिछुड़े हुए दो बरस बीत गए फिर क्यों सदी से लंबा लगता है यह समय। कोई दिन या कोई पल ऐसा नहीं है जब आप हम सबके दिल या दिमाग से दूर हुई हो। हमारे सपनों में आकर अपनी यादें ताज़ा कर जाती हो।

दीदी आपकी श्वेता की शादी भी आप दोनों बहनों की नामौदूगी में हो गई हर अवसर पर आप दोनों को याद करके सबकी आंखे नम हो जाती थी। आपके जाने के बाद जीजा जी ने अब कहीं अपने आपको संभाला है। प्रियंका भी उनका पूरा ध्यान रखती है पर फिर भी इस समय उन्हें आप के साथ की जरूरत थी। जीजाजी आप ही की तरह हर सुख दुःख को में पहुंच कर अपना फर्ज पूरी तरह से निभा रहे हैं। हमें आपकी छवि प्रियंका व 'आदि' में नजर आती है।

आमूमन माँओं का क्या रूप होता है आंखे प्यार की चमक से भरी 'हाथ' राहत की थपकी से, एक मुस्कान जो सब के हर आंसू को मिटा देती है। एक आवाज जो संतान को हर तूफान से टकरा जाने का हौसला देती है। 'दिल' वही तो मां का पूरा अस्तित्व होता है। इससे अलग होती है कहीं माँ? मैं जानती हूँ आज एक बेटी माँ को कितना याद करती होगी यह उसका दिल ही जानता है।

दीदी आप सब न जाने कहाँ चले गये हो,
मेरी मम्मी को गये हुए भी साल होने वाला है,
अब तो आप ढूंढने पर भी कहीं नजर नहीं आओगे।

आपकी यादों में! *आपकी भाभी–**सुनीता दत्ता***

।। मोहयाल प्रार्थना ।।

ऊँ स्वस्ति। ऊँ परम पिता परमात्मा को हमारा प्रेमपूर्वक नमस्कार। ऊँ स्वस्ति। सभी सुखी हों। सब का कल्याण हो। सबका आपस में प्रेम हो। सब मिलकर अपने समाज की भलाई का विचार करें। सब उसी में अपना भला समझें जिसमें सबका भला हो, हित हो, लाभ हो। मन, वचन और कर्म से कोई दूसरे की हानि न करे। हम एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव रखें। दूसरों की बातों को धैर्य और शांतिपूर्वक सुनें। अपनी बातें मधुर शब्दों में कहें। हम निःस्वार्थ भाव से अपने समाज की भलाई के लिए कार्य करें।

जय मोहयाल

FOR THE KIND ATTENTION OF MOHYAL WIDOWS & DESTITUTE / NEEDY PERSONS

Financial Aid for the Financial Year 2017-2018

Needy widows and destitute persons (new applicants and also persons getting financial aid), wanting financial aid from the GMS, are requested to send their Live Certificates to the GMS, through their respective local sabha's, or where a local sabha does not exist, with the recommendations of two prominent Mohyals of the locality on the prescribed form, for consideration by the Financial Advisory Committee of the GMS. The prescribed form is being sent directly to those widows, residing in places, where there is no local Mohyal Sabha. The forms duly filled should reach the GMS Secretariat, latest by the 28 February 2017.

***Sushil Kumar Chhibber,** Secretary Finance GMS*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor